केंद्रीय विद्यालय अन्ना नगर चेन्नई

प्रतिवेदन

प्रथम वर्षगांठ स्वस्थ भारत एवं द्वितीय स्वस्थ भारत कार्यक्रम

प्रभारी
अशोक कुमार
स्नातक शिक्षक हिंदी
केंद्रीय विद्यालय अन्ना नगर चेन्नई-40

भारत सरकार के द्वितीय फिट इंडिया वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय अन्नानगर में फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज तीसरे दिन दिनांक 3 दिसंबर 2020 को हिंदी भाषा में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता का विषय था। **"व्यायाम, आपके शरीर के क्षमता का उत्सव है न कि आपने जो खाया उसके लिए सजा"** । इस प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से मास्टर सिद्धेश, तेजस, श्रीवत्सन, पार्थसारथी, भुवनेश्वरी, मुकुंदन, कनिष्का, हर्षिनी, दीपिका, जेसिका, निष्ठा सोनी, आरूष गुप्ता तथा हर्शिनी आदि ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार को अत्यंत सारगर्भित रूप से रखा। छात्रों ने क्रमबद्ध तरीके से पिछले 1 वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य के अंतर्गत किए गए कार्यों, उनके दैनिक कार्यक्रमों, दैनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, समय नियोजन के प्रति प्रतिबद्धता और आवश्यक दौड़ की दूरी इत्यादि का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने कई प्रकार के ऐसे सुझाव दिए जो शायद ही किसी के खयाल में पहले आया हो।

फिट इंडिया कार्यक्रम के प्रथम वर्षगांठ और द्वितीय सत्र उद्घाटन स्वरूप कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न किया गया। यह कार्यक्रम कक्षा छठी, सातवीं, आठवीं, नवीं एवं 11वीं के छात्र छात्राओं के बीच प्रतियोगी स्पर्धा के रूप में आयोजित किया गया और पक्ष तथा विपक्ष में अनेक छात्रों ने अपने विचार प्रस्तुत किया। कक्षा छठी सातवीं और आठवीं के लिए जूनियर/कनिष्ठ समूह का गठन किया गया था तथा कक्षा नवी और ग्यारहवीं हेतु सीनियर/वरिष्ठ समूह का गठन

किया गया था। छात्रों के ज्ञानात्मक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए इन समूहों का वर्गीकरण किया गया।

इस कार्यक्रम को वैज्ञानिक एवं अधिगम प्रक्रिया को संदर्भित करने हेतु छात्रों से वाद-विवाद की लिखित प्रतियां सम्मिलित करने का निर्देश भी दिया गया था। जिससे छात्र जो बोल रहे हैं उसे वे मानसिक रूप से गहन चिंतन एवं विचार करने हेतु लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। साथ ही छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य को स्थापित करने हेतु उनके छायांकन अथवा फोटोग्राफ्स तथा उनमें आत्म स्वावलंबन के साथ आत्मनिर्भरता एवं साहस को संपादित करने हेतु वीडियो बनाने के लिए भी प्रेरित किया गया छात्र जो बातें इस कार्यक्रम के संदर्भ में सोच पा रहे हैं उसे स्वभाविक रूप से अभिपन के साथ करने में दक्ष हो सकें।

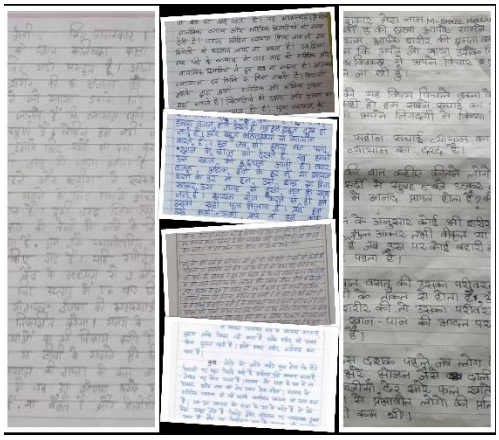

छात्रों में प्रतियोगितात्मक प्रतिस्पर्धा विकसित करने हेतु उनका मूल्यांकन भी किया गया। मूल्यांकन का आधार बिंदु भाषा की शुद्धता, विषय सामग्री अर्थात विषय का मूलतत्व एवं संपूर्ण प्रदर्शन को आधार बनाया गया। इस आधार पर बच्चों को निर्धारित अंक दिए गए जिससे उनके मूल्यांकन के इस विधि से उनमें प्रतियोगिता का भाव भी जागृत हो सके एवं इस विषय को वे और अधिक गंभीरता से समझ सकें।